dk;ky; izkpk;Z

'kkldh; fo'oukFk ;kno rkeLdj LukrdksRrj Lo'kklh egkfo|ky;] nqxZ ¼N-x-½

¿iouke% 'kkldh; dyk ,o foKku egkfo|ky;] nqxZ ¼N-x-½À

ud xM&,$] lh-ih-b-&Ql&3] Mh-ch-Vh-&LVkj dkyksuh

Qksu u- 0788&2359688] QSDl u- 0788&2359688]

Website: www.govtsciencecollegedurg.ac.in

fnukad 14-10-2019

iszl foKfIr

गुणवत्तापरक शोध को बढ़ावा देने हेतु व्याख्यान का आयोजन

आज दिनांक १४ अक्टूबर २०१९ को शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर पीजी Lo'kklh **महाविद्यालय दुर्ग के भौतिक शास्त्र विभाग में स्नातकोत्तर तथा शोध छात्रों को गुणवत्तापरक शोध को बढ़ावा देने हेतु व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमे महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी वड़ोदरा से पधारे प्रोफेसर और लुमिनसेन्स सोसाइटी के अध्यक्ष** vkj vrjk"Vh; [;kfr ikIr oKkfud **प्रोफेसर के वी आर मूर्ति ने विद्यार्थियों को शोध के प्रति प्रोत्साहित करते हुए लाइट इमीशन प्रेजेंट, पास्ट और फ्यूचर पर आमंत्रित व्याख्यान दिया / उन्होंने प्रकाश उत्पादन की चार पीढ़ियों के सफर को जिसमे उन्होंने लालटेन एवं केरोसिन की बत्ती से विद्युत् बल्ब फ्लोरसेन्ट नली और प्रकाश उतसर्जक डायोड तक बताया / और साथ ही यह बताया की हर अविष्कार के साथ प्रदुषण कम होता गया / उन्होंने विद्यार्थियों को भारत सरकार द्वारा शोध के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय फ़ेलोशिप की जानकारी देते हुए बताया की इस क्षेत्र में रोज़गार के अपार सम्भावनाये हैं / उन्होंने बताया की अगर शोध से समाज को कुछ फायदा मिलता है तो वह शोध सफल होता है, उन्होंने अपने शोध से समबधित जानकारियों को वीडियो के माध्यम से बताया/ इसके साथ ही उन्होंने विधार्थियो को दिशाहीन पढाई के बजाय स्वयं का लक्ष्य निर्धारित कर अपने उद्देश्यों को पूरा करते हुए अपने सपनो को साकार** dju dk vkOgoku fd;kA **व्याख्यान के दौरान डॉ मूर्ति ने विद्यार्थियों द्वारा शोध से सम्बंधित** iNs x;s **प्रश्नो के उत्तर देकर विद्यार्थियों की शंका को समाधान किया/ शोध के लिए विद्यार्थियों को बहुआयामी होंना चाहिये** D;kfd **शोध के लिए जो आज नया होता है वो कल पुराना हो जाता हैं / इस बात को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों को शोध के क्षेत्र में जाना चाहिए , व्याख्यान के आरम्भ में डॉ मूर्ति का स्वागत पुष्पगुच्छ द्वारा विभागाध्यक्ष डॉ पूर्णा बोस ने किया और स्वागत भाषण के साथ डॉ मूर्ति का संछिप्त परिचय डॉ सलूजा ने दिया / डॉ सलूजा ने विधार्थियो से कहा की वो डॉ मूर्ति के अनुभव और शोध का भरपूर फायदा उठाये / व्याख्यान के दौरान डॉ आर एस सिंह , डॉ अनीता शुक्ला, सीतेश्वरी चंद्राकर , डॉ अभिषेक मिश्रा के साथ समस्त शोध छात्र, एम एस सी प्रथम और तृतीय सेमेस्टर** Hkkfrd 'kkL= **के विधार्थी उपस्थित रहे**A egkfo|ky; d izkpk;Z Mk- vkj-,u- flg u Hkkfrd 'kkL= foHkkx }kjk vk;kftr vkef=r 0;k[;ku dh ljkguk djr g;s dgk fd jk"Vh; Lrj d oKkfudk d egkfo|ky; vkxeu l fo|kfFk;k dk ykHk gkrk gA

ifr]

lEiknd@C;wjks phQ

nfud ----------------------nqx

bl fuonu d lkFk fd di;k bl tufgr e lekpkj d :i e idkf'kr dju dk d"V djA

izkpk;Z

'kkl-fo-;k-rk-Lukr-Lo'kklh egkfo-

nx ¼N·x·½